

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-5433
दिनांक 03 अप्रैल, 2025 को उत्तरार्थ

ताप विद्युत संयंत्रों की औसत ऊर्जा क्षमता

5433. श्री पुट्टा महेश कुमार:
श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डी:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विगत पांच वर्षों के दौरान देश में ताप विद्युत संयंत्रों (टीपीपी) की ऊर्जा दक्षता के संबंध में कोई अध्ययन/सर्वेक्षण किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में औसत ऊर्जा क्षमता कितनी है;

(ग) देश भर, विशेषकर आन्ध्र प्रदेश में ताप विद्युत संयंत्रों की ऊर्जा दक्षता और उनके द्वारा उत्पादन में वृद्धि करने हेतु उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने देश भर में ताप विद्युत संयंत्रों की दक्षता बढ़ाने के लिए उनमें मौजूद प्रौद्योगिकियों का उन्नयन करने पर विचार किया है और यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद नाईक)

(क) और (ख) : केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022-23 में कोयला और लिग्नाइट आधारित संयंत्रों की अखिल भारतीय तापीय दक्षता 35.02% है। वर्ष 2018-19 से 2022-23 तक कोयला और लिग्नाइट आधारित संयंत्रों की अखिल भारतीय तापीय दक्षता निम्नानुसार है:

वर्ष	दक्षता (%)
2018-19	35.62
2019-20	35.69
2020-21	35.88
2021-22	35.11
2022-23	35.02

(ग) और (घ) : थर्मल पावर प्लांट (टीपीपी) में ऊर्जा दक्षता में सुधार के लिए, टीपीपी क्षेत्र को पीएटी स्कीम के तहत शामिल किया गया है। इस स्कीम में 3 साल के चक्र में टीपीपी की ताप दर में सुधार का प्रावधान है। इस स्कीम में आंध्र प्रदेश में टीपीपी की 11.2 गीगावाट क्षमता सहित कुल 184 गीगावाट क्षमता शामिल है। स्कीम के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप, टीपीपी क्षेत्र ने आंध्र प्रदेश में 0.146 एमटीओई सहित 7.73 मिलियन टन तेल समतुल्य (एमटीओई) की ऊर्जा बचत हासिल की है।

विद्युत उत्पादन एक लाइसेंस-मुक्त गतिविधि है और टीपीपी के प्रमोटर अपने टीपीपी के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियों के संबंध में समुचित निर्णय लेते हैं। तथापि, विद्युत मंत्रालय सब-क्रिटिकल कोयला आधारित थर्मल इकाइयों की तुलना में कुशल सुपर-क्रिटिकल/अल्ट्रा सुपर-क्रिटिकल इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित करता है क्योंकि ये इकाइयाँ सब-क्रिटिकल इकाइयों की तुलना में अधिक कुशल हैं।

दिनांक 28.03.2025 तक, देश में कुल 68,070 मेगावाट की 98 सुपर क्रिटिकल इकाइयाँ और कुल 5,560 मेगावाट की 8 अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल इकाइयाँ संस्थापित की गई हैं, जिनमें आंध्र प्रदेश में 5,840 मेगावाट की कुल क्षमता वाली 8 सुपर क्रिटिकल इकाइयाँ शामिल हैं।
